

## CORPORATE OFFICE

### Delhi Office

706 Ground Floor Dr. Mukherjee  
Nagar Near Batra Cinema Delhi -  
110009

### Noida Office

Basement C-32 Noida Sector-2  
Uttar Pradesh 201301



दिनांक: 26 अक्टूबर 2023

## एडक्कल गुफा

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "एडक्कल गुफा" शामिल हैं। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के कला और संस्कृति अनुभाग में प्रासंगिक है।

विषय- सामान्य अध्ययन-01: कला और संस्कृति

### सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, केरल पर्यटन विभाग ने वायनाड में एडक्कल गुफाओं के आसपास सार्वजनिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 9 करोड़ रुपये की एक परियोजना शुरू की है।

### एडक्कल गुफाओं के बारे में

- केरल के वायनाड जिले की प्रसिद्ध पहाड़ी अंबुकुट्टी माला पर स्थित एडक्कल गुफाएं महान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखती हैं।
- ये गुफाएं आपकी विशिष्ट गुफाएं नहीं हैं, बल्कि ये शैल आश्रय स्थल हैं जो तब बनते हैं जब प्राकृतिक दरारें, दरारें या चट्टान के टुकड़े मुख्य पहाड़ी से टूट जाते हैं।
- इसकी खोज 1890 में ब्रिटिश पुलिस अधिकारी फ्रेड फॉसेट ने की थी।

### एडक्कल गुफाओं का महत्व:

- ऐतिहासिक महत्व:** ये गुफाएं ऐतिहासिक महत्व की हैं क्योंकि ये प्राचीन व्यापार मार्ग के करीब हैं जो मैसूर के ऊंचे इलाकों को मालाबार तट पर बंदरगाहों से जोड़ता था।

### ऐतिहासिक महत्व:

- चित्रात्मक लेखन:** एडक्कल गुफाओं के अंदर, कोई भी चित्रात्मक लेखन पा सकता है जो नवपाषाण काल के दौरान कम से कम 6,000 ईसा पूर्व का है।
- अद्वितीय पाषाण युग की नक्काशी:** इन गुफाओं में पाई गई पाषाण युग की नक्काशी दुर्लभ है और दक्षिण भारत के एकमात्र ज्ञात उदाहरणों का प्रतिनिधित्व करती है, जो मध्यपाषाण युग से संबंधित हैं।
- सांस्कृतिक महत्व:** गुफाओं में पाए जाने वाले पेट्रोग्लिफ में मानव और पशु आकृतियों, मनुष्यों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपकरणों और गूढ़ प्रतीकों के चित्रण शामिल हैं जिन्हें अभी तक समझा जाना बाकी है। ये कलाकृतियाँ एक समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का संकेत देती हैं।
- सिंधु घाटी संबंध:** एडक्कल गुफाओं में पाए गए कुछ चित्रों, विशेष रूप से "जार कप वाले व्यक्ति" को दर्शाने वाले चित्रों ने सिंधु घाटी सभ्यता के साथ संभावित संबंध के बारे में अटकलें लगाई हैं।



स्रोत: वायनाड में पूर्व-ऐतिहासिक रॉक आर्ट साइट

## प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01 हाल ही में समाचारों में देखी गई एडक्कल गुफाएं कहाँ स्थित हैं?

1. तमिलनाडु
2. केरल
3. आंध्र प्रदेश
4. कर्नाटक

उत्तर: B

प्रश्न-02. एडक्कल गुफाओं के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसकी खोज 1890 में फ्रेड फॉसेट ने की थी।
2. गुफाओं के अंदर, नवपाषाण काल के दौरान कम से कम 6,000 ईसा पूर्व के चित्रात्मक लेखन पाए जा सकते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

## मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03 भारत में गुफा वास्तुकला के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व, जिसमें उल्लेखनीय गुफा परिसरों और कला, धर्म और प्राचीन विरासत के संरक्षण में उनके योगदान पर ध्यान केंद्रित किया गया है पर चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

## ई-सिम

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "ईसिम" शामिल हैं। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "विज्ञान और प्रौद्योगिकी" अनुभाग में प्रासंगिक है।

### प्रीलिम्स के लिए:

- सिम क्या है?
- ई-सिम क्या है?

### मुख्य परीक्षा के लिए:

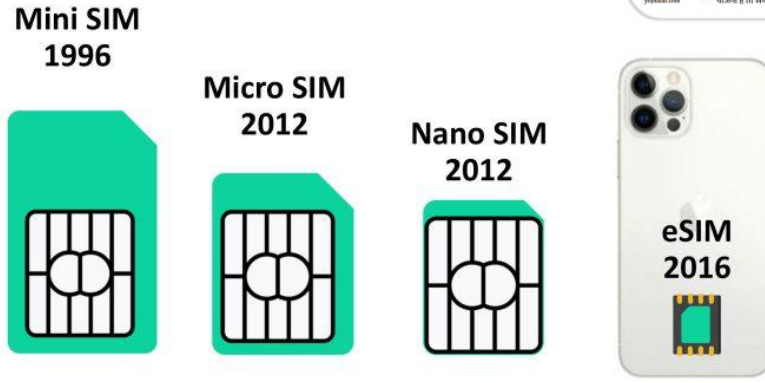
- सामान्य अध्ययन-3: विज्ञान और प्रौद्योगिकी

### सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, एक नए युग को चिह्नित करते हुए, टेक इंडस्ट्री लीडर जैसे ऐप्पल ने अपने आईफोन, गूगल की पिक्सेल सीरीज़ और सैमसंग ने अपने उत्पादों में ई-सिम क्षमता को शामिल किया है।

### पृष्ठभूमि जानकारी:

- "सिम", "सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल" का संक्षिप्त रूप, एक एकीकृत सर्किट या माइक्रोचिप है जो किसी विशेष नेटवर्क पर ग्राहक की पहचान करता है।
- सिम कार्ड छोटे, हटाने योग्य कार्ड होते हैं जिनका उपयोग मोबाइल फोन और अन्य मोबाइल उपकरणों में किया जाता है।
- इसमें महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है जो मोबाइल नेटवर्क पर डिवाइस की पहचान करती है, जैसे अद्वितीय सीरियल नंबर (आईएमएसआई), मोबाइल नेटवर्क की जानकारी और प्रमाणीकरण के लिए एक सुरक्षित तत्व शामिल है।
- सिम कार्ड अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन और अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन द्वारा समर्थित अंतर्राष्ट्रीय मानक ISO/IEC 7816 का अनुपालन करता है।



## ई-सिम क्या है?

- एक ई-सिम, जिसे "एम्बेडेड सिम" के रूप में जाना जाता है, एक डिजिटल सिम कार्ड है जो पारंपरिक सिम कार्ड की तरह भौतिक हटाने योग्य कार्ड के बजाय मोबाइल डिवाइस में बनाया गया है।
- ई-सिम तकनीक उपयोगकर्ताओं को भौतिक सिम कार्ड को बदले बिना मोबाइल नेटवर्क सक्रिय करने और मोबाइल नेटवर्क के बीच योजना बनाने और स्विच करने की अनुमति देती है।

## ईसिम की प्रमुख विशेषताओं और विशेषताओं में शामिल हैं:

- **एम्बेडेड प्रकृति:** ई-सिम कार्ड को विनिर्माण के दौरान डिवाइस में एकीकृत किया जाता है और इसे उपयोगकर्ता द्वारा हटाया या प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। यह डिज़ाइन डिवाइस पर भौतिक स्थान बचाता है।
- **रिमोट प्रोविज़निंग:** eSIM कार्ड को उपयोगकर्ता या मोबाइल सेवा प्रदाता द्वारा दूरस्थ रूप से प्रोविजन या सक्रिय किया जा सकता है। इसका मतलब है कि उपयोगकर्ता भौतिक कार्ड की आवश्यकता के बिना eSIM कार्ड पर आवश्यक डेटा डाउनलोड करके अपना मोबाइल प्लान और नेटवर्क चुन सकते हैं।
- **एकाधिक प्रोफ़ाइल:** कई eSIM-सक्षम डिवाइस एकाधिक प्रोफ़ाइल संग्रहीत कर सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ता सिम कार्ड बदले बिना सीधे डिवाइस पर विभिन्न मोबाइल सेवा प्रदाताओं या योजनाओं के बीच स्विच कर सकते हैं।
- **ईसिम अनुकूलता:** eSIM तकनीक का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है और विभिन्न ऑपरेटरों और डिवाइस निर्माताओं द्वारा समर्थित किया जाता है, जिससे उपयोगकर्ताओं के लिए eSIM सुविधाओं का उपयोग करना आसान हो जाता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग:** eSIM कार्ड विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए उपयोगी होते हैं। उपयोगकर्ता महंगे अंतरराष्ट्रीय रोमिंग शुल्क से बचते हुए, यात्रा के दौरान स्थानीय वाहक जोड़ या बदल सकते हैं।
- **पर्यावरणीय प्रभाव:** भौतिक सिम कार्ड की कमी ई-कचरे और प्लास्टिक सिम कार्ड के निर्माण और निपटान से जुड़े पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर सकती है।

## ईसिम प्रौद्योगिकी से जुड़ी प्रमुख चुनौतियां:

- **अंतरसंचालनीयता:** विभिन्न मानक विक्रेताओं और उपकरणों के बीच अनुकूलता संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। eSIM इंटरऑपरेबिलिटी एक eSIM कार्ड की कई ऑपरेटरों के साथ काम करने की क्षमता को संदर्भित करती है।
- **सुरक्षा:** eSIM कार्ड को डेटा उल्लंघनों और eSIM कार्ड स्पाफ़िंग जैसे सॉफ़्टवेयर हमलों से बचाने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों की आवश्यकता होती है।
- **विनियमन:** eSIM प्रौद्योगिकी के लिए एक नियामक ढांचा विकसित करना एक जटिल कार्य है जिसके लिए नवाचार और उपभोक्ता संरक्षण के बीच संतुलन की आवश्यकता होती है।
- **सीमित ई-सिम अपनाना:** सभी वाहकों ने ई-सिम तकनीक को नहीं अपनाया है, खासकर जब स्थानीयकृत दर्शकों की सेवा करते हैं।
- **समर्थन और निगरानी चुनौतियां:** आईओटी अपनाने वालों ने एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में तकनीकी सहायता और निगरानी उपकरणों की कमी का हवाला दिया है।
- **डेटा गोपनीयता चिंताएं:** ईसिम तकनीक सैद्धांतिक रूप से नेटवर्क ऑपरेटरों को ग्राहक डेटा को ट्रैक करने की अनुमति देती है, जिसमें डिवाइस पर ऐप्स के भीतर गतिविधि भी शामिल है।
- **उपयोगकर्ता डिजिटल साक्षरता:** संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे कुछ देशों में, ग्राहक ईसिम को स्व-प्रोग्राम कर सकते हैं। यह बुजुर्ग उपयोगकर्ताओं सहित कम डिजिटल साक्षरता वाले व्यक्तियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

**स्रोत: सिम कार्ड कैसे काम करते हैं? | समझाया - द हिंदू**

### प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

#### प्रश्न-01. SIM के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सिम का मतलब 'दूर संचार सूचना मॉड्यूल' है और यह एक एकीकृत सर्किट या माइक्रोचिप है जो किसी विशेष नेटवर्क के भीतर ग्राहक की पहचान करता है।
2. वर्तमान में, सिम कार्ड का उपयोग केवल मोबाइल फोन में किया जाता है।

#### उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

#### प्रश्न-02. निम्नलिखित पर विचार करें:

1. डिवाइस में भौतिक स्थान बचाता है
2. एकाधिक प्रोफ़ाइल संग्रहीत करें
3. यात्रियों के लिए उपयोगी
4. सार्वभौमिक संगतता
5. अद्वितीय सुरक्षा

#### ई-सिम प्रौद्योगिकी के उपरोक्त में से कितने लाभ हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) केवल चार

उत्तर: (c)

### मुख्य परीक्षा प्रश्न-

#### प्रश्न-03. मोबाइल दूरसंचार उद्योग और उसके उपयोगकर्ताओं पर ई-सिम प्रौद्योगिकी की प्रमुख विशेषताओं और चुनौतियों पर चर्चा करें।

Rajiv Pandey